



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 22 मई, 2026

विषय: (i) अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों, मध्य और पूर्वी भारत तथा प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में लू से लेकर भीषण लू तक की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

(ii) सप्ताह के कई दिनों के दौरान केरल और लक्षद्वीप, तमिलनाडु, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, उत्तर-पूर्व और उससे सटे पूर्वी भारत में छिटपुट भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण-पश्चिम मानसून 2026 का अग्रिम आगमन (परिशिष्ट I):

- ❖ मानसून की उत्तरी सीमा 6°N/70°E, 6°N/75°E, 7°N/80°E, 9°N/85°E, 12°N/90°E, 14°N/93°E, 16°N/96°E और 17.5°N/98°E से होकर गुजरती रहेगी।
- ❖ अगले 2-3 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के दक्षिण-पूर्वी अरब सागर, कोमोरिन क्षेत्र, दक्षिण-पश्चिम और दक्षिण-पूर्वी बंगाल की खाड़ी, अंडमान सागर के शेष भागों और पूर्वी मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और भागों में आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियाँ अनुकूल हैं।

आज, 22 मई, 2026 को सुबह 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ केरल में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (11-20 सेमी) और कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी वर्षा (≥21 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ असम में कुछ स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा (11-20 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, बिहार, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक और तमिलनाडु में कुछ स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि हुई।
- ❖ असम, मेघालय और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में कुछ स्थानों पर 80-120 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई। मराठवाड़ा, बिहार, ओडिशा और तमिलनाडु में हवा की गति 50-80 किमी प्रति घंटा तक पहुंच गई, जबकि मध्य महाराष्ट्र, तटीय आंध्र प्रदेश, कच्छ, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, पंजाब और हरियाणा में हवा की गति 40-50 किमी प्रति घंटा तक रही।
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बनी रही; हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में; पूर्वी मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में; उत्तराखंड, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तटीय आंध्र प्रदेश के कुछ छिटपुट इलाकों में लू की स्थिति रही।
- ❖ पंजाब, उत्तर प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ के कुछ छिटपुट इलाकों में रात में गर्मी की स्थिति बनी रही।

- ❖ आज सुबह 8:30 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान तापमान की स्थिति:

- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान (21-05-2026 तक): कल, उत्तर-पश्चिम, पश्चिम, मध्य और उससे सटे पूर्वी, उत्तरी प्रायद्वीपीय और उससे सटे दक्षिण-पूर्वी तटीय भारत में अधिकतम तापमान 40-47°C के बीच रहा। सबसे अधिक अधिकतम तापमान 47.6°C बांदा (उत्तर प्रदेश) में दर्ज किया गया।
- ❖ दिन का तापमान/अधिकतम तापमान में अंतर (21-05-2026 तक): कल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (> 5.1°C) रहा; ओडिशा और विदर्भ के कुछ स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा; उत्तराखंड, पंजाब, दिल्ली, पूर्वी उत्तर प्रदेश, झारखंड, असम, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही। पूर्वी मध्य प्रदेश और तेलंगाना के कई स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा; छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर; बिहार, गुजरात, मेघालय, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, त्रिपुरा, रायलसीमा, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे के कुछ स्थानों पर भी तापमान सामान्य से अधिक रहा, जबकि देश के शेष भागों में तापमान सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहा।
- ❖ विदर्भ के कुछ स्थानों पर रात्रि तापमान/न्यूनतम तापमान (22-05-2026 तक) सामान्य से काफी अधिक (> 5.1°C) रहा; हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, बिहार, ओडिशा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तरी राजस्थान, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, पूर्वोत्तर भारत में कुछ स्थानों पर तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा और देश के शेष भागों में सामान्य से कम या सामान्य के आसपास रहेगा।

❖ मौसम प्रणाली, पूर्वानुमान और चेतावनी (परिशिष्ट II और III):

- ❖ पश्चिमी विक्षोभ अब उत्तरी पाकिस्तान और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर चक्रवाती परिसंचरण के रूप में दिखाई दे रहा है, जिसके ऊपर मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों पर लगभग 71° पूर्व देशांतर के अनुदिश, अक्षांश 28° उत्तर के उत्तर में एक गर्त (ट्रफ) स्थित है।
- ❖ उत्तर प्रदेश के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ ओडिशा के आंतरिक क्षेत्रों और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर उत्तर प्रदेश के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में स्थित ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण से ओडिशा के आंतरिक क्षेत्रों में स्थित ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण तक एक गर्त (ट्रफ) फैली हुई है।
- ❖ मध्य असम और आसपास के क्षेत्रों में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक ऊपरी चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ दक्षिणपूर्वी बंगाल की खाड़ी और उसके आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ पूर्वी मध्य अरब सागर और उसके आसपास के क्षेत्र में निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है।
- ❖ दक्षिणपूर्वी अरब सागर और उसके आसपास के क्षेत्र में एक चक्रवाती परिसंचरण स्थित है और इस चक्रवाती परिसंचरण से कोमोरिन क्षेत्र तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक गर्त फैला हुआ है।
- ❖ दक्षिणपूर्वी बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण से उत्तरी केरल तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों पर एक और गर्त फैला हुआ है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से निम्नलिखित मौसम की संभावना है:

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ 22 और 23 मई को असम और मेघालय में तथा 22 मई को नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।

- ❖ 22 से 27 मई के दौरान अरुणाचल प्रदेश में, 22 से 28 मई के दौरान असम और मेघालय में तथा 22 से 24 मई के दौरान नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में छिटपुट भारी वर्षा होने की संभावना है। साथ ही, 23 और 24 मई को अरुणाचल प्रदेश में तथा 23 से 25 मई के दौरान असम और मेघालय में छिटपुट बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ 22 से 26 मई के दौरान केरल, माहे और लक्षद्वीप में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ व्यापक हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।
- ❖ 22 से 26 मई के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, रायलसीमा और तेलंगाना में गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट से मध्यम हल्की से मध्यम वर्षा की संभावना है।
- ❖ 22 और 23 मई को आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) की संभावना है।
- ❖ 22 से 26 मई के दौरान तमिलनाडु और लक्षद्वीप में; 22 से 28 मई के दौरान केरल और माहे में भी छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है। 22 और 23 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में; 22 से 24 मई के दौरान दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 22 मई को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ 22 से 28 मई के दौरान अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में, और 22 से 24 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 22 से 28 मई के दौरान गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, बिहार और झारखंड में, और 22 से 26 मई के दौरान ओडिशा में, गरज, बिजली और तेज हवाओं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ छिटपुट से लेकर मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- ❖ 22 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा में, 24 और 25 मई को झारखंड में, और 25 मई को बिहार में गरज के साथ आंधी (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।
- ❖ 22 से 26 मई के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट भारी वर्षा होने की संभावना है। 25 मई को बिहार में हल्की से मध्यम बारिश होगी; 22 और 23 मई को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट बहुत भारी बारिश हो सकती है।
- ❖ 22 मई को ओडिशा में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 22 से 25 मई के दौरान जम्मू-कश्मीर में छिटपुट से लेकर मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है; 22 और 23 मई को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी यही स्थिति रहेगी।
- ❖ 22 और 23 मई को पंजाब में छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है; 22 मई को हरियाणा, चंडीगढ़ और पश्चिमी राजस्थान में भी यही स्थिति रहेगी।
- ❖ 22 और 23 मई को हिमाचल प्रदेश और 22 मई को उत्तराखंड में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।
- ❖ 22 मई को पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- ❖ 22 और 23 मई को कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार तक) चलने की संभावना है।

दिन के अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ पूर्वी भारत में 26 मई तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 27 और 28 मई को इसमें 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ 28 मई 2026 तक देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

हीट वेव, गर्म और उमस भरा मौसम और गर्म रात की चेतावनी:

- ❖ 22 से 28 मई के दौरान उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है, जबकि पूर्वी उत्तर प्रदेश और पूर्वी मध्य प्रदेश में इसी अवधि के दौरान भीषण लू चलने की संभावना है।
- ❖ 22 से 28 मई के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली के कुछ इलाकों में लू चलने की प्रबल संभावना है, जबकि 24 से 27 मई के दौरान कुछ इलाकों में भीषण लू चलने की संभावना है।
- ❖ राजस्थान के कुछ इलाकों में 22 से 28 मई के दौरान लू चलने की प्रबल संभावना है, और पश्चिमी राजस्थान के कुछ इलाकों में 24 से 28 मई के दौरान भीषण लू चलने की संभावना है।
- ❖ विदर्भ के कुछ इलाकों में 22 से 28 मई के दौरान लू चलने की प्रबल संभावना है, और 22 से 26 मई के दौरान भीषण लू चलने की संभावना है।
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश और यनम के कुछ इलाकों में 22 से 26 मई के दौरान लू चलने की प्रबल संभावना है, और 22 से 24 मई के दौरान भीषण लू चलने की संभावना है।
- ❖ बिहार के कुछ इलाकों में 22 से 24 मई के दौरान; तमिलनाडु में 22 मई को; छत्तीसगढ़, झारखंड, ओडिशा और तेलंगाना में 22 से 26 मई के दौरान; जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 26 से 28 मई के दौरान लू चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ 22 से 26 मई तक गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल और 23 मई को तमिलनाडु में गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना है।
- ❖ 22 से 24 मई तक उत्तर प्रदेश और विदर्भ के कुछ इलाकों में, 22 से 26 मई तक ओडिशा में और 22 और 23 मई को तेलंगाना में गर्म रातें रहने की प्रबल संभावना है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

मछुआरों को निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाने की सलाह दी जाती है:

बंगाल की खाड़ी: 22 मई को मन्नार की खाड़ी, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग, दक्षिण और उससे सटे उत्तरी अंडमान सागर के ऊपर; 23 मई को मन्नार की खाड़ी, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग के ऊपर; 24 और 25 मई को मन्नार की खाड़ी, दक्षिण बंगाल की खाड़ी के अधिकांश भाग के ऊपर।

अरब सागर: 22 मई को केरल, कर्नाटक के तटों, लक्षद्वीप, मालदीव, कोमोरिन क्षेत्रों के आसपास और उससे दूर, दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के अधिकांश भाग, दक्षिण-पश्चिम और पश्चिम-मध्य अरब सागर के आस-पास के भाग; 23 मई को केरल, कर्नाटक के तटों, लक्षद्वीप, मालदीव, कोमोरिन क्षेत्रों के आसपास और उससे दूर, दक्षिण-पूर्वी अरब सागर के अधिकांश भाग के ऊपर; 24 से 27 मई तक केरल, कर्नाटक के तटों, लक्षद्वीप, कोमोरिन क्षेत्रों के आसपास और उससे दूर, मालदीव के आस-पास के क्षेत्र में। 22 से 27 मई के दौरान सोमालिया के तट के साथ-साथ और उससे दूर, दक्षिण-पश्चिम अरब सागर के कुछ हिस्सों से सटे क्षेत्रों में।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 22 से 25 मई 2026 (अनुलग्नक IV देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

महत्वपूर्ण वर्षा दर्ज की गई (सेमी में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ केरल: मावेलिकारा (जिला अलापुझा) 23, कायमकुलम एग्री (जिला अलापुझा) 21, कायमकुलम (जिला अलापुझा) 13, मनकोम्पु (जिला अलापुझा) 12, नूरानद (जिला अलापुझा) 12, करुमाडी (जिला अलापुझा) 10, हरिपद (जिला अलापुझा) 10, चेरथला (जिला अलापुझा) 9, परिपल्ली (जिला कोल्लम) 9, टेलिचेरी (जिला कन्नूर) 9, वैक्कोम (जिला कोट्टायम) 9, कोझिकोड (जिला कोझिकोड) 7;
- ❖ असम: एससीएस_कॉलेज_ऑफ_एग्रीकल्चर (जिला धुबरी) 15, बहालपुर (जिला धुबरी) 8;
- ❖ बिहार: झंझारपुर (जिला मधुबनी) 9, लखनौर (जिला मधुबनी) 7;
- ❖ दक्षिण आंतरिक कर्नाटक: वाई एन होसकोटे (जिला तुमकुरु) 9; बेंगलुरु सिटी (जिला बेंगलुरु शहरी) 6;
- ❖ उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल: संकोस टी एस्टेट (जिला अलीपुरद्वार) 7;
- ❖ रायलसीमा: अनंतपुर (जिला अनंतपुरमु) 7;
- ❖ तमिलनाडु: होसुर_एडब्ल्यूएस (कृष्णागिरी) 7

तेज़ हवाएँ (किमी प्रति घंटे में) (कल के 0830 बजे IST से आज के 0830 बजे IST तक):

- ❖ असम और मेघालय: मानस 80;
- ❖ तमिलनाडु: नाथम_इसरो (डिंडीगुल) 72; कांचीपुरम 63;
- ❖ ओडिशा: कटक 61, भुवनेश्वर 41, जान्हूकुडा 39, उदयगिरि 37, बेनाकुडा 35, क्यॉंझर 33;
- ❖ बिहार: दरभंगा 57, मधेपुरा 41, सुखेत 37, पूसा 33;
- ❖ मराठावाड़ा: धाराशिव 52, अंबेजोगाई (बीड) 31;
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सागर 48, रीवा 37, सतना 33, सीधी 30, शडोल 30;
- ❖ जम्मू-कश्मीर: चट्ठा 48;
- ❖ पंजाब: पठानकोट48, अमृतसर 39, होशियारपुर 39, फरीदकोट 39, फाजिल्का 43, बठिंडा39, मोहाली39, संगरूर39;
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: जीबी नगर 48, हिंडन 43, जालौन 39, आगरा 33;
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश: लखनऊ 46, मिर्जापुर 41, वाराणसी और फुरसतगंज 39-39, कानपुर 35;
- ❖ हरियाणा: हिसार 46, सोनीपत 43, चरखी दादरी 41, रोहतक 39;
- ❖ पश्चिम मध्य प्रदेश: गुना 46, अशोकनगर 44, सीहोर 44, गलियोर 39, आगर 37, भोपाल 33, बड़वानी 31, बैतूल, शिवपुरी 30;
- ❖ कच्छ: खावड़ा 46;
- ❖ तटीय आंध्र प्रदेश: एलएएम गुंटूर 44;
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: जलगांव 43, बारामती (पुणे) 41

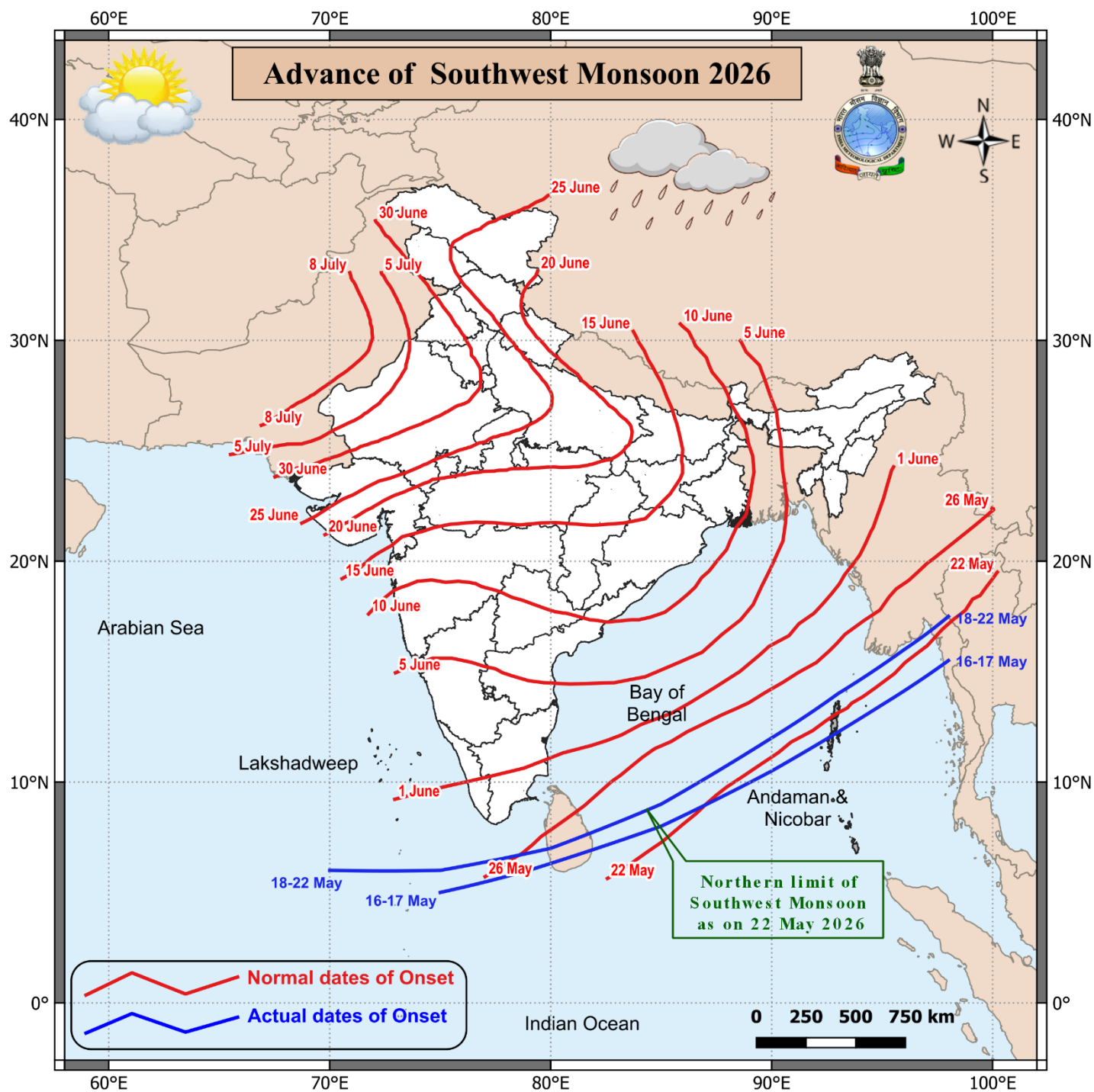
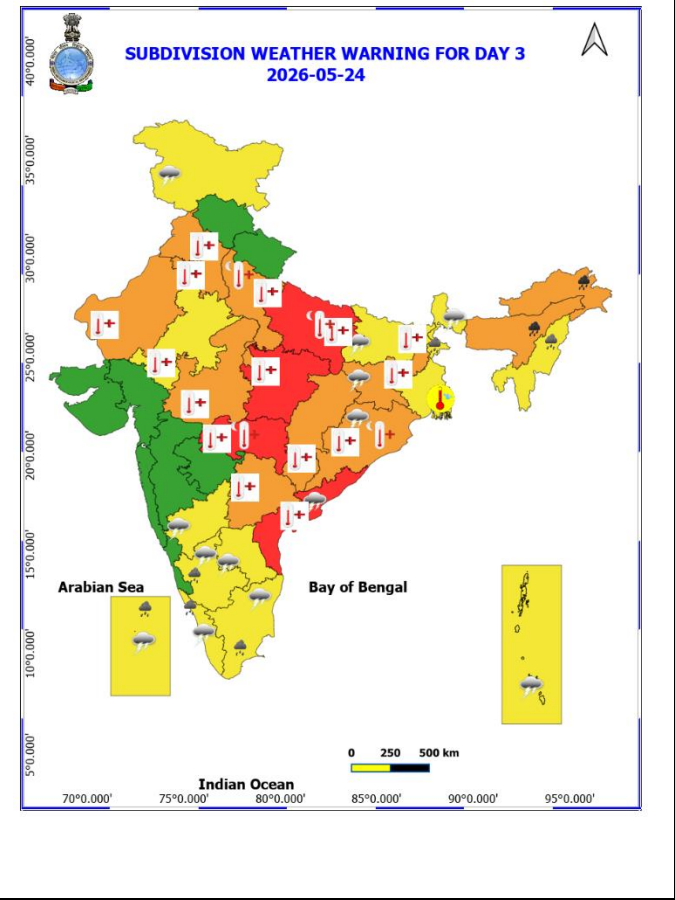
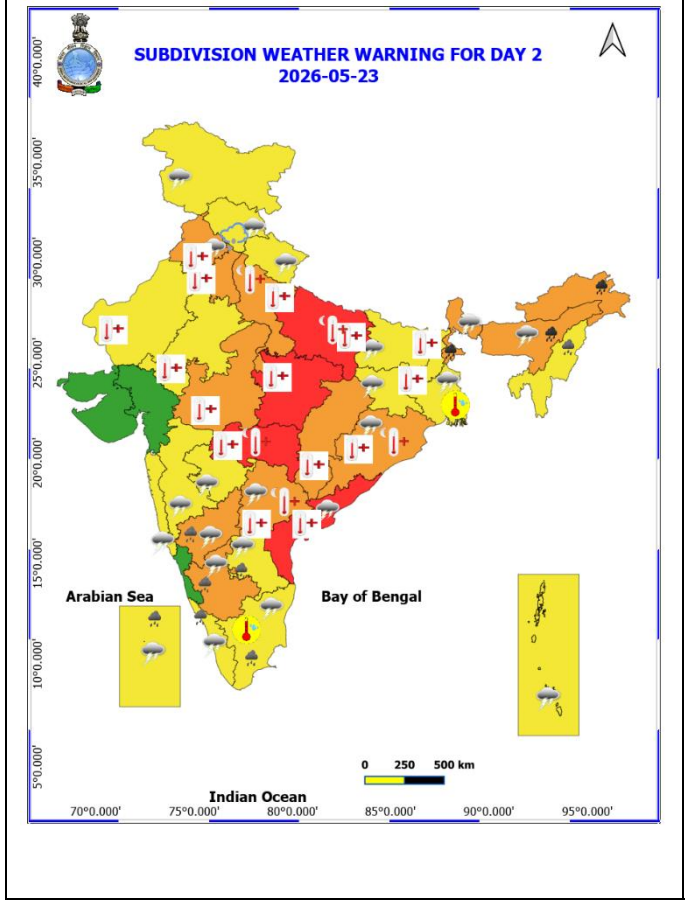
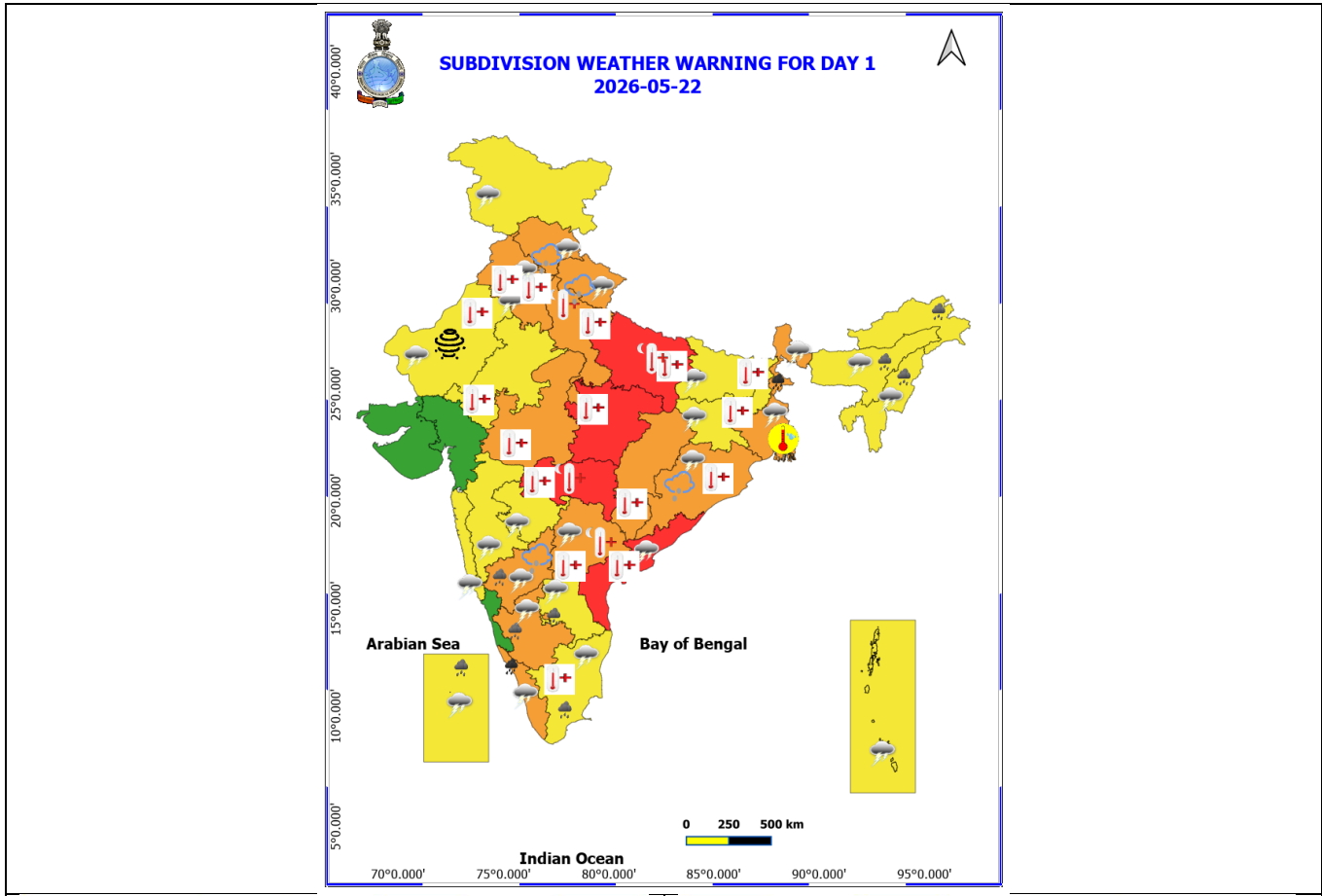
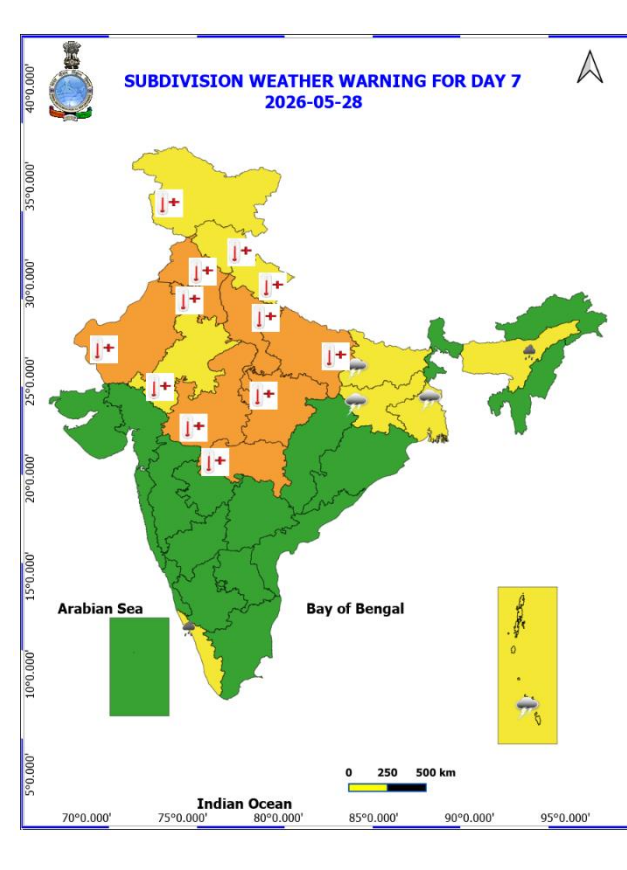
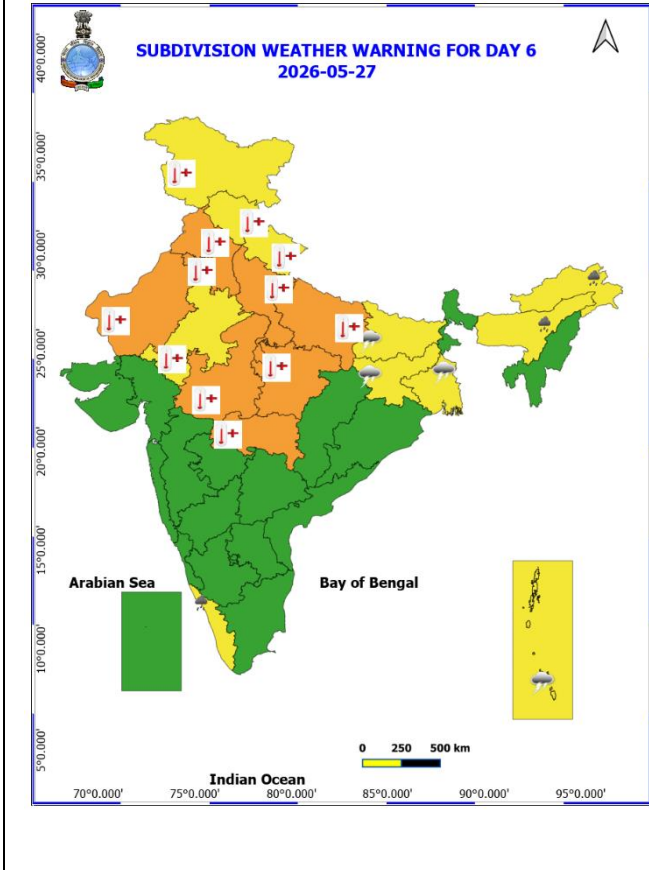
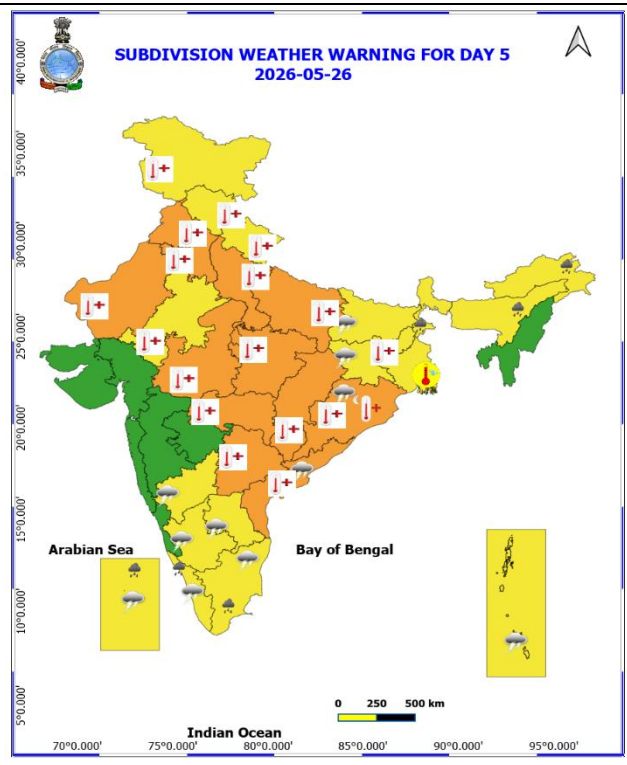
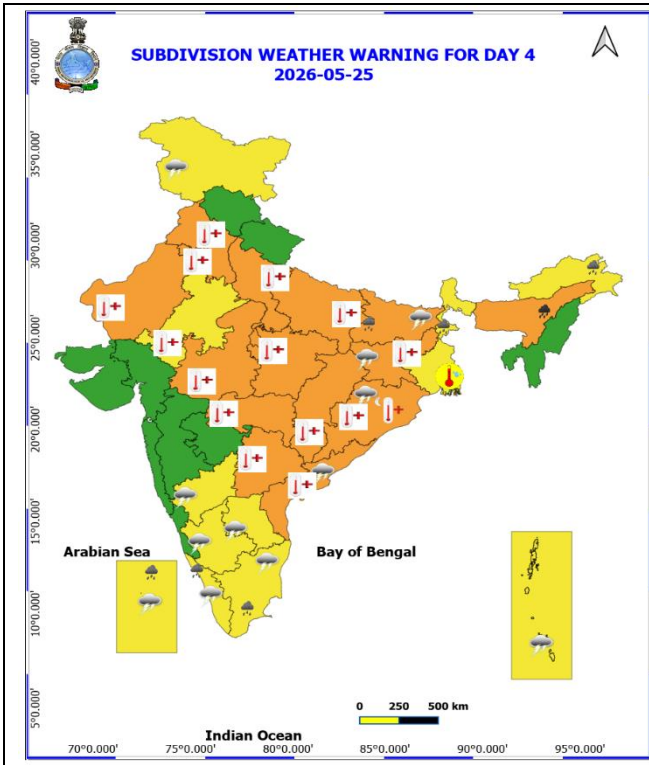


Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	22- May	23- May	24- May	25- May	26- May	27- May	28- May
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
3	ASSAM & MEHGHALAYA	WS	WS	WS	WS	WS	FWS	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	WS	WS	WS	WS	WS	WS	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
9	BIHAR	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	FWS	SCT	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	FWS	SCT	SCT	SCT	DRY	DRY	SCT
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
26	VIDARBHA	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
30	RAYALASEEMA	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	SCT	SCT	FWS	FWS
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	SCT	SCT	SCT	ISOL	ISOL	SCT	SCT
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	FWS	FWS	FWS	SCT	SCT	SCT	SCT
35	KERALA AND MAHE	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS
36	LAKSHADWEEP	WS	WS	WS	WS	WS	WS	WS

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

22 मई से 25 मई 2026 तक दिल्ली/एनसीआर का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की मामूली गिरावट दर्ज की गई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान 44-45 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 27-29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6 डिग्री सेल्सियस से 3.0 डिग्री सेल्सियस) रहा। कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक), कई स्थानों पर सामान्य से काफी अधिक (3.1 डिग्री सेल्सियस से 5.0 डिग्री सेल्सियस) और दिल्ली के शेष भागों में सामान्य से अधिक (1.6 डिग्री सेल्सियस से 3.0 डिग्री सेल्सियस) रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवाओं की गति 22 किमी प्रति घंटा तक रही, जो कभी-कभी बढ़कर 50 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। आज दोपहर में दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवाओं की गति 20 किमी प्रति घंटा तक रहने की संभावना है। आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा।

मौसम पूर्वानुमान:

22.05.2026: आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। कुछ स्थानों पर लू की स्थिति रहेगी। दिन के दौरान लगातार तेज हवाएं चलेंगी जिनकी गति 15-25 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और कभी-कभी बढ़कर 35 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 44°C से 46°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। दोपहर के समय मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से हवाएं चलेंगी जिनकी गति 20 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। शाम और रात के दौरान पश्चिम दिशा से हवा की गति घटकर 15 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

23.05.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। कुछ स्थानों पर लू चलने की संभावना है और सुबह/दोपहर/शाम के समय गरज के साथ बारिश हो सकती है। दिन के दौरान लगातार तेज सतही हवाएं चलेंगी जिनकी गति 20-30 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और कभी-कभी 40 किमी प्रति घंटा तक के झोंके आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 43°C से 45°C और 27°C से 29°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 20 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति घटकर 15 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

24.05.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। कुछ स्थानों पर लू चलने की संभावना है। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज हवाएं चलेंगी जिनकी गति 20-30 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और कभी-कभी 40 किमी प्रति घंटा तक के झोंके भी आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 44°C से 46°C और 26°C से 28°C के बीच रहने की संभावना है। अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा, जबकि दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय सतह पर चलने वाली हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

25.05.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। कुछ स्थानों पर लू चलने की संभावना है। दिन के दौरान सतह पर लगातार तेज हवाएं चलेंगी जिनकी गति 20-30 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है और कभी-कभी 45 किमी प्रति घंटा तक के झोंके भी आ सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 44°C से 46°C और 29°C से 31°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान भी सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 20 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली सतह पर हवा की गति 30 किमी प्रति घंटा तक हो सकती है। शाम और रात के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली सतह पर हवा की गति घटकर 25 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

लू की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- चेतावनी: लू चलने की आशंका है; हालांकि, तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। इससे स्वास्थ्य संबंधी मध्यम जोखिम हो सकते हैं, विशेष रूप से शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों जैसे संवेदनशील समूहों के लिए।
- सलाह: लंबे समय तक धूप में रहने से बचें। हल्के, हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय अपने सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकें।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने, तेज हवाओं और ओलावृष्टि की आशंका के चलते संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने और तेज हवाओं के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:
- ❖ 22 और 23 मई को आंतरिक कर्नाटक, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम और रायलसीमा में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली आंधी (तेज झोंके के साथ 70 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है); 22 मई को गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और ओडिशा में; 24 और 25 मई को झारखंड में और 25 मई को बिहार में।
- ❖ 22 मई को ओडिशा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 22 और 23 मई को हिमाचल प्रदेश में; 22 मई को उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी/ बहुत भारी वर्षा के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 22 से 27 मई के दौरान, असम, मेघालय, केरल और माहे में 22 से 28 मई के दौरान, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा और दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में 22 से 24 मई के दौरान, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम, तमिलनाडु और लक्षद्वीप में 22 से 26 मई के दौरान, उत्तर आंतरिक कर्नाटक और रायलसीमा में 22 और 23 मई को, बिहार में 25 मई को भारी वर्षा की संभावना है; साथ ही उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 22 और 23 मई को, अरुणाचल प्रदेश में 23 और 24 मई को, और असम और मेघालय में 23 से 25 मई के दौरान अत्यधिक भारी वर्षा की संभावना है।

संभावित असर

- ❖ सड़कों पर स्थानीय स्तर पर बाढ़ आना, निचले इलाकों में जलभराव होना और मुख्य रूप से शहरी इलाकों में अंडरपास का बंद होना।
- ❖ भारी बारिश के कारण कभी-कभी विजिबिलिटी (दृश्यता) में कमी आना।
- ❖ सड़कों पर जलभराव के कारण बड़े शहरों में ट्रैफिक में रुकावट आना, जिससे यात्रा का समय बढ़ सकता है।
- ❖ कच्ची सड़कों को थोड़ा-बहुत नुकसान पहुंचना।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) को नुकसान पहुंचने की संभावना।
- ❖ स्थानीय स्तर पर भूस्खलन/कीचड़ खिसकने/जमीन धंसने की घटनाएं।
- ❖ कुछ इलाकों में जलभराव के कारण बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचना।
- ❖ इसके कारण कुछ नदी-घाटियों में नदियों में बाढ़ आ सकती है (नदियों में बाढ़ की जानकारी के लिए कृपया CWC का वेब पेज देखें)।

सुझाए गए कदम

- ❖ अपनी मंजिल के लिए निकलने से पहले अपने रास्ते पर ट्रैफिक जाम की स्थिति की जांच कर लें।
- ❖ इस संबंध में जारी की गई किसी भी ट्रैफिक एडवाइजरी (सलाह) का पालन करें।
- ❖ उन इलाकों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ❖ कमजोर ढांचों (इमारतों) में रहने से बचें।

ऊष्ण लहर/ भीषण ऊष्ण लहर की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ अगले 6-7 दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिमी भारत के मैदानी इलाकों, मध्य और पूर्वी भारत तथा प्रायद्वीपीय भारत के कुछ हिस्सों में लू से लेकर भीषण लू की स्थिति बनी रहने की संभावना है।

चेतावनी वाले क्षेत्र

- ❖ तापमान अधिक रहने और लू से जुड़ी बीमारियों के लक्षणों की संभावना उन लोगों में ज़्यादा है, जो लंबे समय तक धूप में रहते हैं या भारी शारीरिक काम करते हैं।
- ❖ कमजोर लोगों (जैसे: शिशु, बुजुर्ग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित लोग) के लिए स्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएँ हो सकती हैं।
- ❖ धूप में निकलने से बचें - शरीर को ठंडा रखें। शरीर में पानी की कमी (डिहाइड्रेशन) न होने दें।
- ❖ पर्याप्त मात्रा में पानी पिएँ - भले ही आपको प्यास न लगी हो।
- ❖ शरीर में पानी की कमी पूरी करने (हाइड्रेटेड रहने) के लिए ORS, या घर पर बने पेय पदार्थ जैसे लस्सी, तोरानी (चावल का पानी), नींबू पानी, छाछ आदि का सेवन करें।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- हिमाचल प्रदेश और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में फलों के बागानों और सब्जी वर्गीय फसलों को क्षति से बचाने के लिए हेलनेट या हेलकैप का उपयोग करें।
- जलभराव से बचने के लिए खेतों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। परिपक्व फलों की जल्द से जल्द तुड़ाई करें और कटाई के बाद उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- अरुणाचल प्रदेश में, धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और फलों के बागों में जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें। कटी हुई पत्तागोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाले धान और आलू की उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।
- असम और मेघालय में, फसलों के खेतों से अतिरिक्त बारिश का पानी निकालने के लिए ज़रूरी इंतज़ाम करें।
- नागालैंड में, निचले इलाकों और फसलों के खेतों (आलू, कंगनी) में जल निकासी की उचित व्यवस्था बनाए रखें। मक्के के खेत को स्थानीय रूप से उपलब्ध मलच (जैसे कि फसल के अवशेष या धान का पुआल) से ढककर रखें। केले के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें सहारा (Propping) दें।
- मणिपुर में, सोयाबीन और मूंगफली की बुवाई को कुछ समय के लिए टाल दें। अतिरिक्त बारिश के पानी को बाहर निकाल दें और मौजूदा बारिश का दौर थमने के बाद फसल में 'टॉप-ड्रेसिंग' (ऊपर से खाद डालना) करें। फसलों के खेतों (मिर्च, अदरक, हल्दी, केला, आदि) में बारिश का पानी लंबे समय तक जमा न रहने दें।
- मिजोरम में, धान के खेतों के चारों ओर जल निकासी के लिए नालियाँ बनाएँ और बीजों को ढकने के लिए घास के मलच का उपयोग करें। फल देने वाले या आंशिक रूप से झुके हुए पौधों/पेड़ों को सहारा दें। मक्के के पौधों को गिरने से बचाने के लिए उन्हें भी सहारा (Propping) दिया जाना चाहिए।
- त्रिपुरा - सब्जियों, तरबूज और फलों के बागों वाले खेतों में पानी जमा होने से रोकने के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था सुनिश्चित करें।
- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, अदरक, टमाटर, मक्का, करेला और 'डाले खोरसानी' के खेतों में जल निकासी के उचित रास्ते बनाए रखें। टमाटर और 'डाले खोरसानी' के पौधों को सहारा (स्टेकिंग) दें। पकी हुई फसलों की कटाई जल्द से जल्द कर लें और उन्हें सूखी जगहों पर सुरक्षित रूप से भंडारित करें। नर्सरियों और छोटे पौधों को भारी बारिश से बचाने के लिए उन पर अस्थायी आवरण डालें।
- तमिलनाडु में, उड़द, हरी मूंग, गन्ना और अन्य सब्जियों की खेती में जल संचय को रोकने के लिए उचित जल निकासी बनाए रखें।
- केरलम में केले, नारियल और अन्य सब्जियों के लिए जल निकासी की उचित व्यवस्था करें। केले के पौधों को सहारा प्रदान करें।
- लक्षद्वीप: खड़ी फसलों में सिंचाई, निराई-गुड़ाई और पौधों की सुरक्षा के उपाय व उर्वरकों के प्रयोग को कुछ समय के लिए टाल दें। खेतों में जलभराव को रोकने के लिए, खड़ी फसलों वाले खेतों में जल निकासी की उचित व्यवस्था करें।
- दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में, धान के खेतों, सुपारी और आम के बगीचों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें।
- आंध्र प्रदेश - रायलसीमा में - धान, रबी मक्का, ज्वार, चना, मूंगफली, तिल, गन्ना, सब्जियाँ और फलों के बागों जैसी खड़ी फसलों में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- पंजाब में सब्जियों, मूंग के बागों और प्याज की नर्सरियों में हल्की और नियमित सिंचाई करें।

- **हरियाणा** में गन्ने, कपास और ग्रीष्मकालीन चारा फसलों में पर्याप्त सिंचाई बनाए रखें। धान की नर्सरी की तैयारी पूरी करें और सुनिश्चित सिंचाई सुविधाओं का प्रबंध करें तथा नई बोई गई फसलों में जल संकट को कम करने के लिए मल्लिचंग/नमी संरक्षण पद्धतियों को अपनाएं।
- **उत्तर प्रदेश** में, मक्का, मूंग, काली मूंग, गन्ना, सूरजमुखी, सब्जियां और आम, केला और पपीता जैसे फलों की खड़ी फसलों के लिए नियमित सिंचाई और मल्लिचंग करें।
- **राजस्थान** में मूंग, लौकी, कद्दू, तोरी, खीरा, करेला, भिंडी, पालक और आम, आंवला, अनार, बेल और बेर जैसे युवा फलदार पौधों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। वाष्पीकरण से जल हानि को कम करने के लिए मिट्टी की मल्लिचंग/पुआल/पॉलीथीन से मल्लिचंग करें।
- **बिहार** - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी की नमी के नुकसान को कम करने के लिए फसल के अवशेष, पुआल या पॉलीथीन से मल्लिचंग करें। फलों के पौधों को अधिक तापमान से बचाने के लिए अस्थायी शेड नेट का उपयोग करें।
- **ओडिशा में** - बोरो धान, ग्रीष्मकालीन मक्का, हरा चना, काला चना, मूंगफली और सब्जी के खेतों में हल्की सिंचाई प्रदान करें। सुनिश्चित करें कि आम और काजू की फसलों में मिट्टी में पर्याप्त नमी बनी रहे।
- **मध्य प्रदेश** में, मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई करें।
- **छत्तीसगढ़** में - रबी मक्का, केला और पपीते के बागानों में खरपतवार निकालने और गुड़ाई करने के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूं और चने की कटाई पूरी करें, और उनके सुरक्षित भंडारण को सुनिश्चित करें।
- **महाराष्ट्र - विदर्भ** में, सब्जियों और फलों के बागों को सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई दें; पौधों के विकास के महत्वपूर्ण चरणों के दौरान सिंचाई की आवृत्ति बढ़ा दें। गन्ने, गर्मियों की मूंगफली, सब्जियों और फलों के बागों को आवश्यकतानुसार सिंचाई दें; सब्जियों और फलों के बागों में जैविक या पुआल की मल्लिचंग का उपयोग करें; केले के गुच्छों को पत्तों से ढकें; और नए लगाए गए केले के बागों में शेड नेट का उपयोग करें।
- **तेलंगाना में** - आवश्यकतानुसार आम के बागों और सब्जियों की फसलों को सिंचाई प्रदान करें।
- **तटीय आंध्र प्रदेश क्षेत्रों** में गर्म और आर्द्र परिस्थितियों का सामना करने वाले क्षेत्रों में, मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए ग्रीष्मकालीन फसलों और सब्जियों में हल्की सिंचाई करें।
- खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी को बनाए रखने के लिए मल्लिचंग करें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें या खेतों में उपज को तिरपाल की चादर से ढक दें। तेज सतही हवाओं से विस्थापन के जोखिम को कम करने के लिए कटी हुई फसलों को सुरक्षित रूप से बांधें और ढक दें।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन / मत्स्य पालन

- ओलावृष्टि/ भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

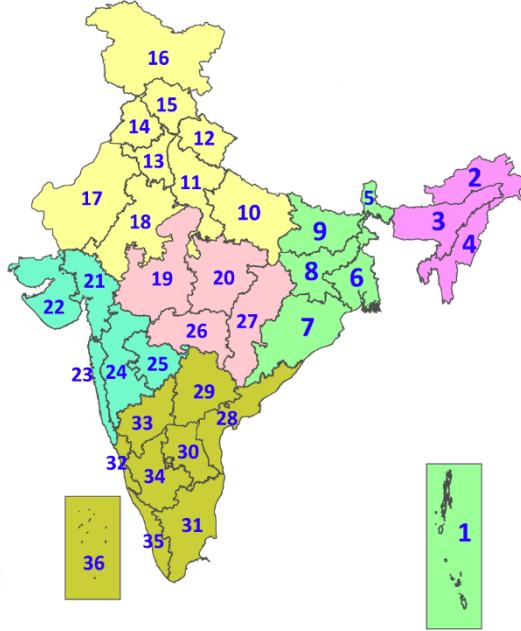
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)



Fog



Heavy Snow



Cold Wave



Heavy Rain



Dust Storm



Cold Day



Very Heavy Rain



Heat Wave



Ground Frost



Extremely Heavy Rain



Warm Night



Thunder & Lightning



Hot Day



Hailstorm



Hot & Humid



Dust Raising Winds



Strong Surface Winds

COLOUR CODED WARNING

No Warning (No Action)

Watch (Be Aware)

Alert (Be Prepared To Take Action)

Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^\circ\text{C}$ for plains and $\geq 30^\circ\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^\circ\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^\circ\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^\circ\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $> 4.5^\circ\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^\circ\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^\circ\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^\circ\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^\circ\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^\circ\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^\circ\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^\circ\text{C}$ for plains and $\leq 0^\circ\text{C}$ for hilly regions
Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^\circ\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^\circ\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-62 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-165 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)